रोबिनसन क्रूसो

डेनियल डीफो, चित्र : रोबर्ट, हिंदी : विदूषक

रोबिनसन क्रूसो

डेनियल डीफो, चित्र : रोबर्ट, हिंदी : विदूषक

जब रोबिनसन क्रूसो छोटा था तभी से वो समुद्र का सफ़र करना चाहता था. पर उसके माता-पिता उसे समुद्र में जाने की इजाज़त नहीं देते थे.

“देखो, समुद्र एक बहुत खतरनाक जगह है,” वो कहते. “तुम हमारे साथ घर पर ही रहो. यहाँ तुम्हें ज्यादा मज़ा आएगा.”

इस तरह बहुत साल बीत गए. फिर जब रोबिनसन क्रूसो युवक बना तब उसने अपने माता-पिता से फिर समुद्र में जाने की अनुमति मांगी. माता-पिता ने फिर मना किया और उससे घर पर ही रहने को कहा.

अब रोबिनसन क्रूसो इंतजार करते-करते तंग आ चुका था. फिर वो घर से भागकर अपने ने एक दोस्त के साथ समुद्र में एक बड़े जहाज़ में सफ़र पर निकला.

रोबिनसन क्रूसो को समुद्री यात्रा में बड़ा मज़ा आया. वहां उसे अपना काम भी अच्छा लगा. उसने वहां कई दोस्त भी बनाए.

फिर एक दिन दोपहर को समुद्र में ज़ोरदार तूफ़ान आया.

जब बड़ी-बड़ी लहरें जहाज़ से आकर टकराईं तब रोबिनसन क्रूसो को, माता-पिता की बात याद आई. क्योंकि वो घर छोड़कर भागा था इसका उसे दुःख था.

"इसके बाद मैं सीधा घर जाऊँगा और वहीं रहूँगा," उसने खुद से कहा. "मैं दुबारा कभी भी समुद्र में नहीं जाऊँगा."

फिर एक ऊंची लहर आई और वो रोबिनसन क्रूसो को जहाज़ से खींचकर समुद्र में ले गई.

रोबिनसन क्रूसो को तैरना आता था. यह अच्छी बात थी! उसे यह पता नहीं था कि वो कहाँ जा रहा था. पर फिर भी वो लगातार तैरता रहा.

अंत में वो एक वीरान टापू पर जा पहुंचा. वो बहुत थका हुआ था. बड़ी-बड़ी लहरों से लड़ते-लड़ते वो थककर एकदम पस्त हो गया था.

फिर वो टापू पर एक पेड़ पर चढ़ा और उसने वहीँ रात बिताई.

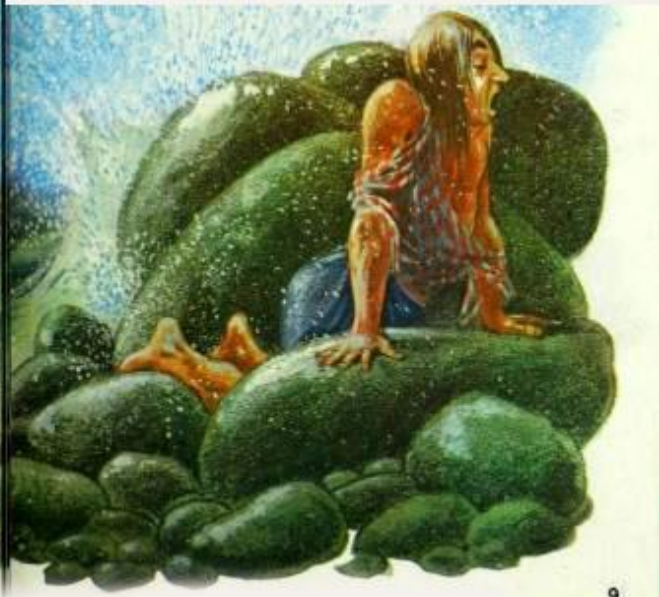

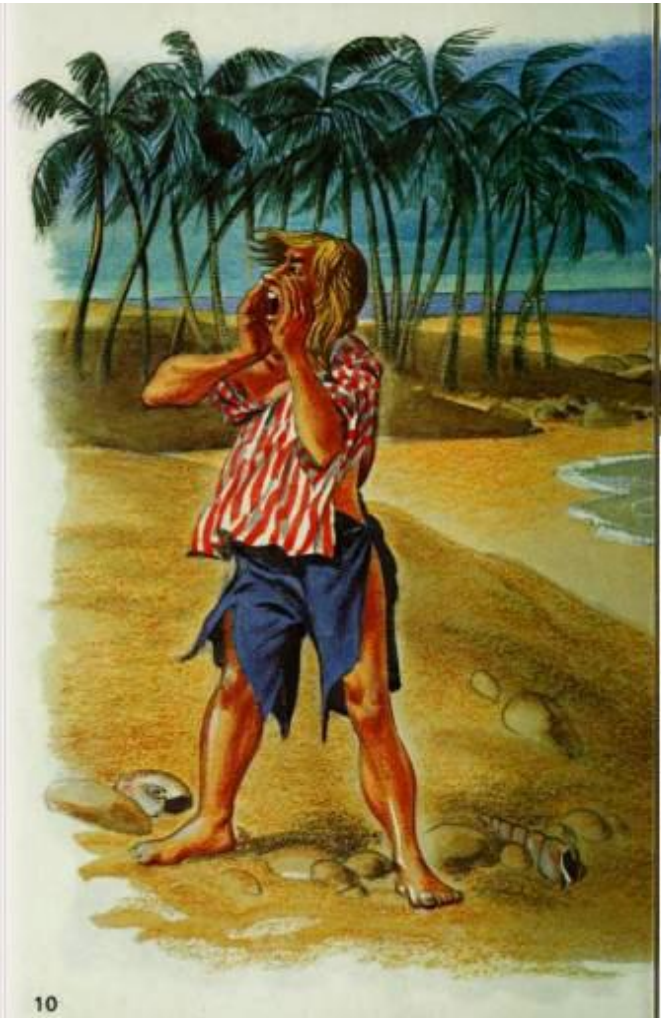

अगले दिन सुबह को रोबिनसन क्रूसो पेड़ से नीचे उतरा. फिर वो जहाज़ के दल को खोजने निकला.

उसने समुद्र-तट पर देखा, पेड़ों और झाड़ियों में खोजा, पर वहां उसे कोई भी आदमी नहीं दिखा. वो बहुत ज़ोर-ज़ोर से चिल्लाया पर वहां कोई भी नहीं था.

रोबिनसन क्रूसो को समुद्र में अपना टूटा हुआ जहाज़ दिखाई दिया. वो जहाज़ तक तैरकर गया. उसने वहां बहुत देर तक पुकारा, पर जहाज़ में कोई भी आदमी नहीं था.

उसे जहाज़ में एक कुत्ता और दो बिल्लियाँ ज़रूर दिखीं. इन मित्रों को मिलकर उसे बहुत ख़ुशी हुई.

"तुम टापू पर मेरे साथ आ सकते हो," उसने उनसे कहा.

जब रोबिनसन क्रूसो ने जहाज़ के अन्दर देखा तो उसे लगा कि वो अपने साथ वहां से कई चीज़ें टापू पर ले जाएगा. यह चीज़ें उसके बहुत काम आएँगी. सामान को टापू तक लाने के लिए उसने लकड़ियां बाँधकर एक बेड़ा बनाया. फिर वो सामान, कुत्ते और दोनों बिल्लियों को बेड़े पर रखकर टापू वापिस लाया.

रोबिनसन क्रूसो के लिए यह बहुत कठिन काम था. पर कुत्ते और बिल्लियों को इसमें बहुत मज़ा आया!

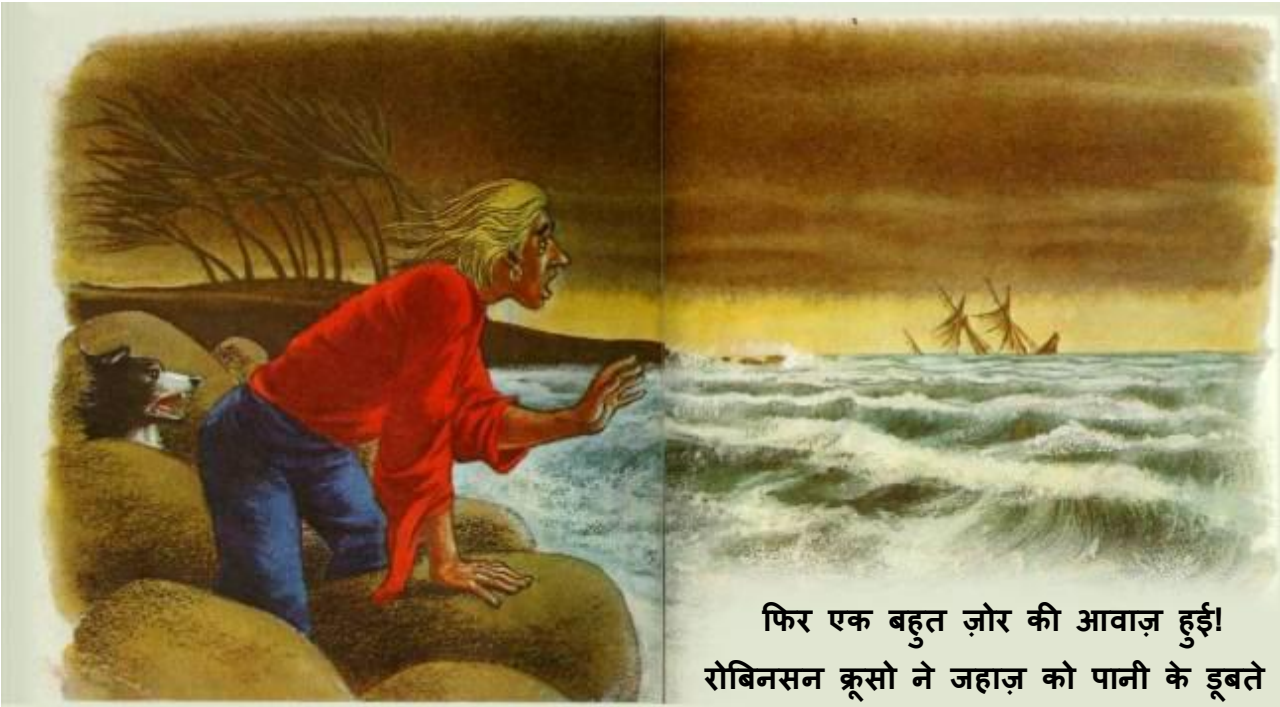

अगले दिन रोबिनसन क्रूसो दुबारा फिर से जहाज़ पर जाना चाहता था. पर उस रात एक तेज़ तूफ़ान आया.

फिर एक बहुत ज़ोर की आवाज़ हुई! रोबिनसन क्रूसो ने जहाज़ को पानी के डूबते हुए देखा.

जहाज़ डूबने का रोबिनसन क्रूसो को दुःख हुआ. पर वो खुश भी था क्योंकि वो जहाज़ से अपनी ज़रुरत की बहुत सी चीज़ें पहले ही निकाल लाया था.

क्योंकि अब जहाज़ डूब चुका था, इसलिए रोबिनसन क्रूसो अब टापू पर ही रहने को मज़बूर था.

"अब मुझे मेहनत करके एक अच्छा घर बनाना चाहिए," रोबिनसन क्रूसो ने खुद से कहा. "मैं अपना घर पहाड़ी के ऊपर बनाऊँगा, जिससे कि मैं हर समय समुद्र को देख सकूं."

उसने घर बनाने के लिए कई बड़े पेड़ काटे. उसने कई दिन मेहनत की. अंत में उसका घर पूरा हुआ.

क्रूसो अपने नए घर से खुश था.

"अब मैं खिड़की के पास बैठकर दिनभर बाहर देख सकता हूँ और किसी जहाज़ के आने का इंतज़ार कर सकता हूँ," उसने कहा. "पर मैं जहाज़ को यह कैसे बताऊँगा कि मैं यहाँ इस टापू पर हूँ? उसके लिए मुझे आग जलाकर उन्हें धुएं का संकेत देना होगा."

फिर रोबिनसन क्रूसो तट पर गया और उसने वहां पर धुएं के संकेत की तैयारी की.

कुत्ते ने भी उसमें उसकी मदद की. अब वो पूरी तरह से तैयार था. जैसे ही उसे कोई जहाज़ दिखता वो आग जला सकता था.

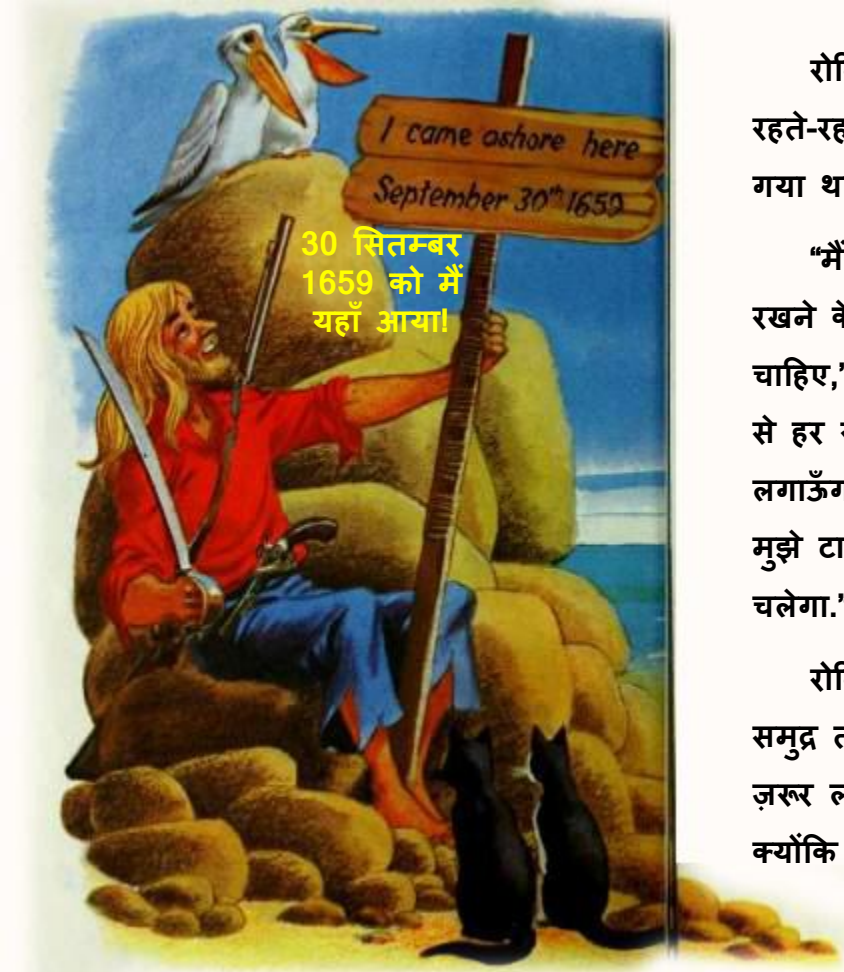

रोबिनसन क्रूसो को उस टापू पर रहते-रहते अब काफी लम्बा अरसा हो गया था.

"मैं यहाँ पर कब से हूँ, यह याद रखने के लिए मुझे एक कैलेंडर बनाना चाहिए," उसने कहा. "मैं एक पैनी लकड़ी से हर रोज़ के लिए एक निशान लगाऊँगा. उन निशानों की गिनती से मुझे टापू पर बिताए दिनों का पता चलेगा."

रोबिनसन क्रूसो ने अपने कैलेंडर को समुद्र तट पर रखा. वो वहां कुछ अजीब ज़रूर लगा. पर वो उससे खुश था क्योंकि वो काम करता था.

एक दिन रोबिनसन क्रूसो ने टापू को अच्छी तरह से देखने का अपना मन बनाया. फिर वो टापू पर घूमने गया. उसका कुत्ता भी उसके पीछे-पीछे दौड़ा.

उसे तट पर कुछ बकरियां दिखीं.

"बकरियां दूध देती हैं," उसने खुद से कहा, "और दूध की मुझे सख्त ज़रुरत है. मैं कुछ बकरियों को पकड़कर लाऊँगा और उन्हें पहाड़ी पर घर के पास पालतू बनाऊँगा. पर मैं बकरियों को पकडूँगा कैसे? वो बहुत मेहनत का काम होगा!"

बकरियों को पकड़ना सच में बहुत मुश्किल काम था.

उस पूरे दिन रोबिनसन क्रूसो और उसका कुत्ता बकरियों के पीछे-पीछे समुद्र तट पर दौड़ते रहे.

रोबिनसन क्रूसो जल्द ही थक गया. पर उसने हार नहीं मानी. अंत में वो कुछ बकरियां पकड़ पाया. उनमें एक बड़ी बकरी और दो बकरियां छोटी थीं.

दिनभर की मेहनत से वो खुश था. अब वो जी भरके बकरी का दूध पी सकता था.

धीरे-धीरे रोबिनसन क्रूसो को टापू पर रहते हुए कई साल हो गए. अब उसके कपड़े भी पुराने होकर फटने लगे थे. बकरियों के चमड़े से उसे खुद के लिए नए कपड़े बनाने पड़े. फिर उसने चमड़े से एक छतरी भी बनाई. धूप में वो छतरी लेकर अपना काम करता था.

रोबिनसन क्रूसो अपने नए कपड़ों और छतरी से काफी खुश था.

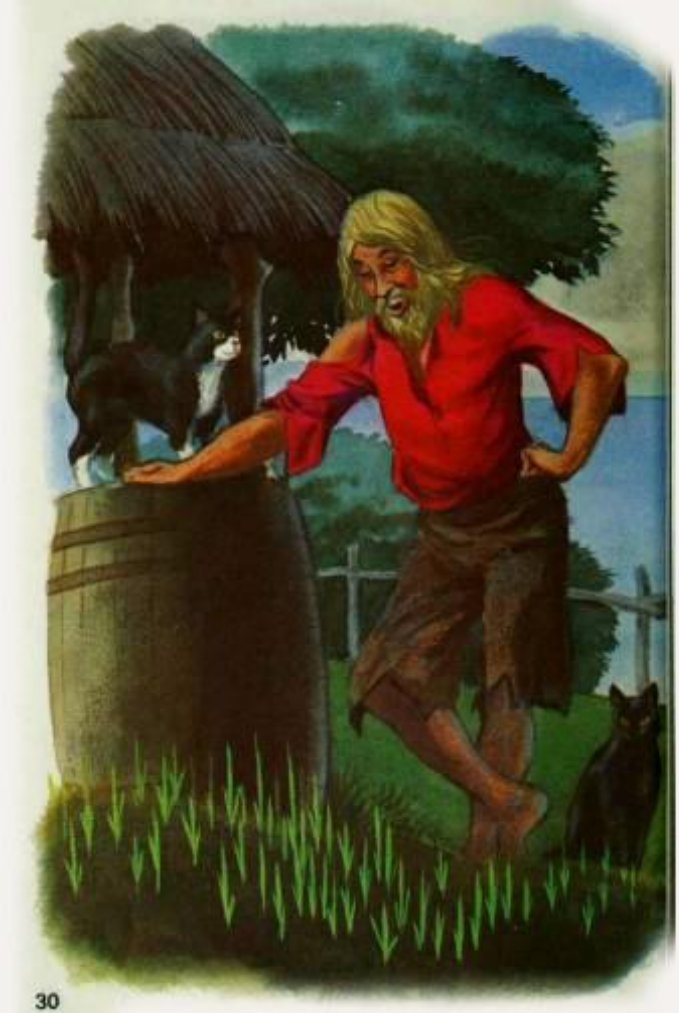

रोबिनसन क्रूसो एक दिन अपने घर के पास काम कर रहा था. उसने एक बोरा उठाया जो वो जहाज़ में से लाया था. उस बोरे में से कुछ मक्का के दाने गिरे थे.

कुछ दिन बाद रोबिनसन क्रूसो ने उन दानों से पौधे उगते हुए देखे. उसे वो बोरा याद रहा जिसमें से मक्का के दाने गिरे थे.

"यह उसी बोरे की मक्का है जो यहाँ उग रही है," उसने कहा. "मैं इन पौधों को पानी दूंगा और उनकी देखभाल करूंगा. अगर मेरे पास मक्का होगी तो मैं उसकी रोटियां बनाकर खा सकूंगा."

मक्का के दानों को सुरक्षित रखने के लिए रोबिनसन क्रूसो ने मिट्टी के कुछ मटके बनाए. वो उन मटकों से खुश हुआ. फिर उसने बकरी का दूध रखने में लिए भी कुछ मटके बनाए. पर जब उसने उनमें दूध डाला तो दूध रिसकर बाहर निकल गया.

फिर उसे उन मटकों की याद आई जिन्हें उसने बचपन में अपने स्कूल में बनाए थे.

उसे याद आया कि मटकों को पक्का बनाने के लिए उन्हें "पकाना" पड़ता था.

फिर रोबिनसन क्रूसो ने आग जलाई और उसमें कुछ मटकों को पकने के लिए रखा. उसने आग को एक रात और दिन जलते रखा.

अगले दिन एक लकड़ी की मदद से उसने गर्म मटकों को आग से बाहर निकाला. फिर उसने दुबारा उन पके मटकों में बकरी का दूध रखा. इस बार दूध रिसकर बाहर नहीं निकला.

रोबिनसन क्रूसो अपनी इस खोज से बहुत खुश हुआ!

एक दिन रोबिनसन क्रूसो बाहर मक्का के पौधों को पानी दे रहा था. तभी दूर समुद्र में उसे एक जहाज़ नज़र आया! उसने तुरंत अपनी बन्दूक छोड़ी और धुएं के संकेत के लिए आग जलाई. फिर वो जहाज़ के तट पर आने और उसे लेकर जाने का इंतज़ार करता रहा.

पर जहाज़ में किसी ने भी उस धुएं के सिग्नल को नहीं देखा. रोबिनसन क्रूसो बहुत ज़ोर से चीखा-चिल्लाया. उसने ज़ोरों से अपने हाथ भी हिलाए. पर उससे कोई फ़ायदा नहीं हुआ. जहाज़ अपने रास्ते निकल गया.

अब रोबिनसन क्रूसो को उस टापू पर रहते-रहते कई साल बीत गए थे. उसके पास बकरियां थीं, मक्का थी और एक अच्छा घर भी था. पर वहां उससे बात करने वाला कोई नहीं था. इसलिए वो उस टापू से बाहर निकलना चाहता था.

"इस टापू से निकलने के लिए मुझे एक नाव बनानी चाहिए," उसने कहा.

फिर रोबिनसन क्रूसो ने टापू पर सबसे बड़ा पेड़ खोजा. उसने नाव बनाने के लिए उस पेड़ को काटा.

नाव बनाना कठिन था. पर अंत में नाव बनकर तैयार हुई. रोबिनसन क्रूसो ने नाव को पूरा दम लगाकर खींचा पर नाव बहुत भारी थी. वो टस-से-मस नहीं हुई. वो नाव को नदी के तट तक नहीं ले जा पाया.

फिर एक दिन जब रोबिनसन क्रूसो समुद्र तट पर चल रहा था तब उसे किसी इंसान के पदचिन्ह दिखाई दिए. वे उसके पदचिन्ह नहीं थे, क्योंकि उसके पैरों बहुत बड़े थे. उसके बाद वो उस इंसान को खोजने लगा.

"यह किसके पदचिन्ह हो सकते हैं?" रोबिनसन क्रूसो ने पूछा. "हो सकता है मेरे अलावा इस टापू पर कोई और इंसान भी हो. मैं उसे ढूंढूंगा और खोज निकालूँगा."

रोबिनसन क्रूसो ने तट पर उस इंसान को खोजने की बहुत कोशिश की. कुछ देर बाद उसे कुछ लोग पानी में दिखाई दिए. वे छोटी-छोटी नावों में सवार थे.

उनमें से एक आदमी बाकी लोगों से दूर भाग रहा था. वो आदमी रोबिनसन क्रूसो की ओर दौड़ा और बाकी लोग उसे पकड़ने को दौड़े.

“मुझे उस आदमी की सहायता करनी चाहिए,” रोबिनसन क्रूसो ने खुद से कहा.

रोबिनसन क्रूसो ने उस आदमी से कहा, “तुम मेरे साथ आओ. मैं तुम्हारी मदद करूंगा.”

उसके बाद रोबिनसन क्रूसो ने अपनी बन्दूक चलाई. बन्दूक के डर से बाकी लोग भाग गए.

रोबिनसन क्रूसो को एक नया मित्र मिला. उससे वो बहुत प्रसन्न हुआ.

आज शुक्रवार यानि फ्राइडे का दिन है. इसलिए मैं तुम्हें फ्राइडे के नाम से बुलाऊंगा. चलो, मैं तुम्हें अपने टापू और घर ले चलता हूँ. तुम जब तक चाहो मेरे साथ रह सकते हो.”

फिर फ्राइडे, रोबिनसन क्रूसो के साथ उसके घर गया. फ्राइडे को घर पसंद आया. फ्राइडे, बकरियों का दूध निकालने में, मक्का के पौधे सींचने में और रोटियां बनाने में रोबिनसन क्रूसो की मदद करता था.

अब रोबिनसन क्रूसो को अपने साथ बातचीत करने के लिए एक इंसान मिल गया था. इसलिए वो बहुत खुश था. वो फ्राइडे से अंग्रेजी में बात करता था. जल्द ही फ्राइडे भी अंग्रेजी में बातचीत करना सीख गया.

एक दिन फ्राइडे समुद्र के तट पर था और रोबिनसन क्रूसो घर पर ही काम कर रहा था. तभी फ्राइडे तट से दौड़ता हुआ वहां आया.

"रोबिनसन! रोबिनसन!" वो चिल्लाया. "जल्दी आओ! बड़ी! एक बड़ी नाव!"

रोबिनसन क्रूसो ने समुद्र की ओर देखा. एक बड़ा जहाज़ आ रहा था.

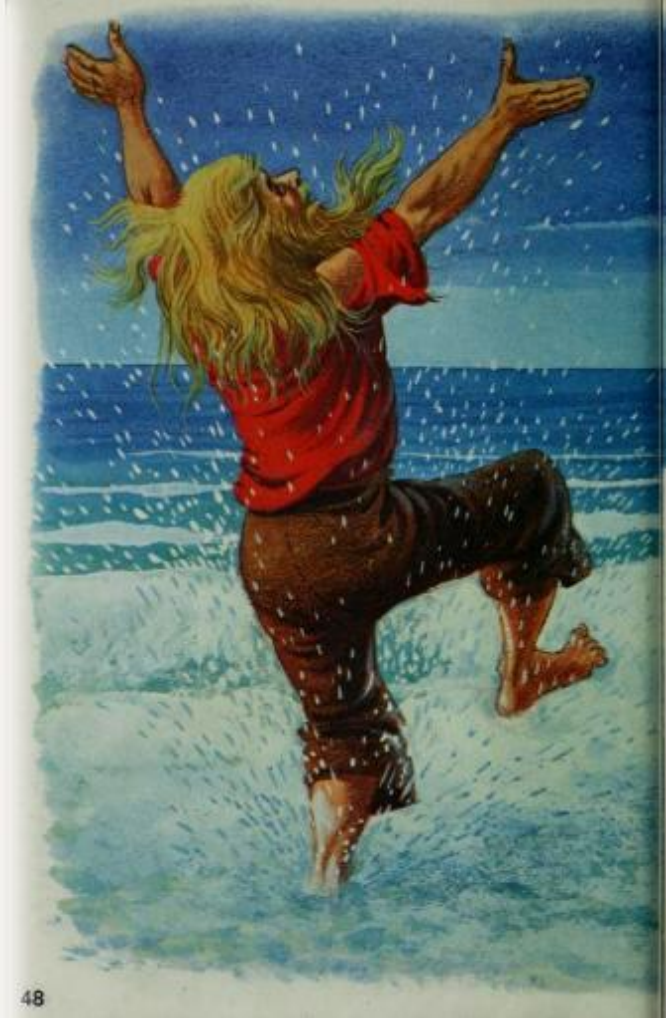

रोबिनसन क्रूसो फिर तट पर दौड़ा. वो ज़ोर से चिल्लाया और उसने अपने दोनों हाथ हिलाए. उसने धुएं के सिग्नल के लिए आग भी जलाई.

जहाज़ के कप्तान ने जब धुएं का संकेत देखा तब उसने अपने जहाज़ को रोका. फिर उसने जहाज़ से एक छोटी नाव उतारी और वो रोबिनसन क्रूसो से तट पर मिलने आया.

जहाज़ का कप्तान एक अंग्रेज़ था. उसने कहा कि वो रोबिनसन क्रूसो और फ्राइडे को अपने साथ जहाज़ पर ले जाएगा.

दोनों ने कप्तान का शुक्रिया अदा किया. रोबिनसन क्रूसो और फ्राइडे ने जहाज़ पर जाते समय अपने साथ कुछ ज़रूरी सामान भी लिए.

रोबिनसन क्रूसो बहुत खुश था, क्योंकि इतने सालों बाद वो फिर से अपने घर वापिस जा रहा था. पर उसे टापू पर अपने घर, बकरियां, मक्का आदि को छोड़ने का दुःख भी था. क्योंकि वो टापू इतने साल से उसका घर था.